Totalbhakti.com

'kfuno th dh vkjrh

जय जय जय श्री शनि देव भक्तन हितकारी।
सूर्य पुत्र प्रभुछाया महतारी।।
जय जय जय शनि देव.......
श्याम अंग वक्र दृश्टि चतुर्भुजा धारी।
नीलांबर धार नाथ गज की असवारी।।
जय जय जय शनि देव.......
क्रीट मुकुट शीश राजित दिपत है लिलारी।
मुक्तन की माल गले शोभित बलिहारी।।
जय जय जय शनि देव.......
मोदक मिश्ठान पान चढ़त हैं सुपारी।
लोहा तिल तेल उड़द महिशी अति प्यारी।।
जय जय जय शनि देव.......
देव दनुज ऋशि मुनि सुमिरत नर नारी।
विश्वनाथ धरत ध्यान शरण हैं तुम्हारी।।
जय जय जय श्री शनिदेव.......

www.Totalbhakti.com